

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

J 6 0 1 0**Test Booklet No.**

Time : 2 1/2 hours]

PAPER-III

[Maximum Marks : 200

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN AND PEACE STUDIES

Number of Pages in this Booklet : 24

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।

- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।

(ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**

- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

J-6010**P.T.O.**

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

बौद्ध, जैन, गाँधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Discuss critically the causes, proceedings and results of convening of the second Buddhist Council.

द्वितीय बौद्ध संगीति के बुलाये जाने के कारणों, उसकी कार्यवाही और परिणाम का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss the contribution of Jainism to the various developments of Indian History and Culture.

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के विविध विकास में जैन धर्म के योगदान का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Analyse Gandhiji's contribution to India's Freedom Movement.

भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में गाँधीजी के योगदान का विश्लेषण कीजिए ।

2. Explaining the theory of the Dependent Origination, discuss how it refutes the views of eternalism and annihilationism.

प्रतीत्य समुत्पाद के सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए विवेचना कीजिए कि यह किस प्रकार शाश्वतवाद और उच्छेदवाद की दृष्टियों का खण्डन करता है ।

OR / अथवा

Throw light on some of the important centres of Jaina Art and Architecture.

जैन-कला एवं स्थापत्य की दृष्टि से कुछ महत्त्वपूर्ण केन्द्रों पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

Examine Gandhiji's views on Human Rights and Duties.

मानवीय अधिकारों और कर्तव्यों के विषय में गाँधीजी के विचारों का परीक्षण कीजिए ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Throw light on the origin and development of Mahāyāna Buddhism.
महायान के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

Who was the founder of Jainism ? Discuss briefly.
जैन धर्म के संस्थापक कौन थे ? संक्षेप में उत्तर दीजिये ।

OR / अथवा

Discuss major Indian influences in making Gandhiji, a great man.
गाँधीजी के महान् व्यक्ति-निर्माण में प्रमुख भारतीय प्रभावों का विवेचन कीजिए ।

4. Explaining the Fourth Noble Truth, discuss how it leads an individual to attain the highest bliss.

चतुर्थ आर्य-सत्य की व्याख्या करते हुए, यह विवेचना कीजिये कि यह किस प्रकार किसी व्यक्ति को परम सुख प्राप्त करने के लिए अग्रसर करता है ।

OR / अथवा

Write a critical note on the theory of Chaturyama according to Jainism.

जैन धर्म के अनुसार चातुर्याम सिद्धान्त पर एक समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिये ।

OR / अथवा

Describe any significant event of Gandhiji's childhood days which appeals you the most.

गाँधीजी के बचपन की कोई भी ऐसी महत्वपूर्ण घटना का वर्णन कीजिए, जो आपको सबसे अच्छी लगती हो ।

5. Write a critical essay on the status of women in Buddhism.

बौद्ध धर्म में स्त्रियों की स्थिति पर एक आलोचनात्मक निबन्ध लिखिये ।

OR / अथवा

'Sarvodaya-Dharma' is the other name of Jainism. Discuss briefly.

'सर्वोदय धर्म का पर्यायवाची नाम जैन धर्म है ।' अपने विचार व्यक्त कीजिये ।

OR / अथवा

Discuss the bases of Gandhiji's criticism of Industrial Civilization.

औद्योगिक सभ्यता की आलोचना के सम्बन्ध में गाँधीजी द्वारा दिये गए आधारों का विवेचन कीजिए ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है। **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What were the causes behind the Siddhartha's renunciation ? Discuss.

सिद्धार्थ के गृहत्याग के पीछे कौन से कारण थे ? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Discuss briefly the subject-matter of Panchastikaya-Sangraha.

पंचास्तिकाय संग्रह के वर्ण्य-विषय का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

OR / अथवा

Define Gandhiji's Concept of Truth.

गाँधीजी की सत्य की अवधारणा की परिभाषा दीजिए।

7. Why Mahākassapa had to convene the First Buddhist Council ? Discuss.

महाकस्सप को प्रथम बौद्ध संगीति क्यों बुलानी पड़ी थी ? विवेचन कीजिये ।

OR / अथवा

Define substance according to the Jainism and explain the characteristics of medium of motion.

जैन धर्म के अनुसार द्रव्य की परिभाषा लिखकर धर्म-द्रव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

According to Gandhiji, what are the basic components of Swaraj ?

गाँधीजी के अनुसार स्वराज्य के मौलिक अंग क्या हैं ?

8. Write the contents of yamakavagga of the Dhammapada.

धम्मपद के यमकवग्ग की विषयवस्तु को लिखिये ।

OR / अथवा

Discuss the necessity of VACHANA (Sangiti) according to Jainism and write a note on the last Vachana.

जैन धर्म के अनुसार वाचना (संगीति) की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए अन्तिम जैन वाचना पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

“The end justifies the means.” Comment.

“साध्य साधनों को न्यायोचित ठहराता है ।” टिप्पणी कीजिये ।

9. What is ‘Samādhi’ ? Explain.

समाधि क्या है ? व्याख्या कीजिये ।

OR / अथवा

Name the Anuvrata-s and define any one of them.

अणुव्रतों के नाम लिखते हुए किसी एक अणुव्रत की परिभाषा लिखिए ।

OR / अथवा

Explain the meaning of Politics.

राजनीति के अर्थ को स्पष्ट कीजिए ।

10. What do you mean by 'Ariyasacca' ? Throw light on the First Noble Truth.
आप 'अरियसच्च' से क्या अर्थ समझते हैं ? प्रथम आर्यसत्य पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

Throw light on the importance of Tri-Ratna according to Jainism.

जैन धर्म के अनुसार त्रि-रत्न के महत्त्व पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

What is Varnāshrama Dharma ? Explain.

वर्ण आश्रम धर्म क्या है ? व्याख्या कीजिये ।

11. What do you mean by the word 'Sammā Vāyāmo' ? Explain it.
आप 'सम्मा वायामो' शब्द से क्या अर्थ समझते हैं ? इसकी व्याख्या कीजिये ।

OR / अथवा

Define soul and name the fundamentals according to Jainism.

जैन धर्म के अनुसार जीव की परिभाषा लिखकर सात-तत्त्वों (पदार्थों) के नाम लिखिये ।

OR / अथवा

Explain Gandhiji's views on civilization.

सभ्यता के सम्बन्ध में गाँधीजी के विचारों की व्याख्या कीजिए ।

12. Throw light on Nirvāna.

निर्वाण पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

Write a critical note on the theory of Chaturyama and name also its propounder.

चातुर्याम सिद्धान्त पर एक समीक्षात्मक टिप्पणी लिखकर उसके प्रचारक का नामोल्लेख कीजिए ।

OR / अथवा

What is Trusteeship according to Gandhiji ? Explain.

गाँधीजी के अनुसार ट्रस्टीशिप का अर्थ क्या है ? व्याख्या कीजिए ।

13. Write a short introductory note on Mahābodhi Temple.

महाबोधि मन्दिर पर एक परिचयात्मक टिप्पणी लिखिये ।

OR / अथवा

Discuss briefly the contribution of Lord Rishabhadeva to the development of society.

सामाजिक विकास में भगवान ऋषभदेव के योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिये ।

OR / अथवा

Define the term "Swadeshi".
“स्वदेशी” शब्द की परिभाषा कीजिए ।

14. Write a short note on any one of the important Bhikkhunis.
किसी प्रसिद्ध भिक्खुनी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये ।

OR / अथवा

Throw a light on the status of women in Jainism.
जैन धर्म में महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिये ।

OR / अथवा

Define conflict.
टकराव की परिभाषा दीजिए ।

SECTION – IV

खंड – IV

This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है। **(5 × 5 = 25 अंक)**

Non-violent culture does not mean disorder, anarchy and formation of only small groups of men, living entirely apart and independently of one another without inter-connection. Non-violence aims at realizing one's unity with the whole universe, including non-human life. And this aim cannot be realized by acts of self-aggrandisement or exploitation but in and through acts which will provide proper opportunities of life to the tiniest of creatures. Bearing this in mind, one must seek the proper adjustment between the extremes of centralization and decentralization and between mechanization and human labour. The discipline of non-violence does not necessarily depend upon the co-operation of others. Every one has to be a witness to his inward light and thus be an example to others. But this does not mean that the votary of non-violence should be careless of the co-operation of others.

अहिंसक संस्कृति का अर्थ अव्यवस्था, अराजकता और सर्वथा पृथक्, स्वतंत्र तथा एक दूसरे के बिना अन्तर्सम्बन्ध के रहने वाले मनुष्यों के छोटे-से समूह बनाने से नहीं है। अहिंसा का उद्देश्य मानवेतर जीवन को अन्तर्निहित करते हुए समस्त ब्रह्माण्ड के साथ किसी व्यक्ति की एकता का अनुभव करना है। साथ ही साथ यह उद्देश्य आत्म-अतिकथन अथवा शोषण के द्वारा अनुभव नहीं किया जा सकता है, बल्कि ऐसे कार्यों में और उनके द्वारा जो लघुतम जीवों को भी जीवन का उचित अवसर प्रदान करेंगे। इस बात का ध्यान रखते हुए किसी व्यक्ति को केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण तथा मशीनीकरण एवं मानवीय श्रम के बीच में उचित समायोजन अवश्य ढूँढ़ना चाहिये। अहिंसा का अनुशासन आवश्यक रूप से दूसरों के सहयोग पर निर्भर नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने अन्तर्प्रकाश का साक्षी होना चाहिए और दूसरों के लिये उदाहरण बनना चाहिए, परन्तु इसका यह अर्थ भी नहीं है कि अहिंसा में विश्वास रखने वाले दूसरों के सहयोग के प्रति बेपरवाह रहें।

15. Does the definition of non-violent culture rule out disorder, anarchy and formation of small groups of men ?

क्या अहिंसक संस्कृति की परिभाषा अव्यवस्था, अराजकता आदि को अन्तर्निहित करती है ?

16. Is realizing one's unity with the whole universe including non-human life, the real aim of one's life ?

क्या समूचे विश्व, यहाँ तक कि मानवेतर जीवों के साथ एकता किसी के जीवन का वास्तविक लक्ष्य है ?

17. Can the aforesaid aim be realized through the self-aggrandisement and exploitation ?
क्या ऊपर कथित उद्देश्य आत्म-अतिकथन और छोटे से छोटे जीवों के शोषण से प्राप्य है ?

18. Does proper adjustment between the extremes of centralization and decentralization and between mechanization and human labour worth seeking ?
क्या केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण, मशीनीकरण और मानवश्रम के बीच अभियोजन को तलाश किया जाना चाहिये ?

19. Should a votary of non-violence be careless of the co-operation of others ?
क्या अहिंसा के पुजारी को दूसरों के सहयोग के प्रति बेपरवाह होना चाहिए ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date